वार्षिक पाठ्यक्रम संरचना कक्षा: X (2023-2024)

विषय: सामाजिक विज्ञान

(सी. बी. एस. ई. विषय कोड संख्या. 087)

क्रम संख्या	विषय	अंक
I	इतिहासः भारत व समकालीन विश्व–2	20
II	भूगोलः समकालीन भारत–2	20
III	लोकतान्त्रिक राजनीति–2	20
IV	आर्थिक विकास की समझ	20
	कुल	80
	आंतरिक मूल्यांकन	20
पूर्णांक		100

पाठ्य पुस्तक	अध्याय संख्या एवं नाम	विशिष्ट अधिगम उद्देश्य	सुझावात्मक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया	विशिष्ट दक्षताओं के साथ अधिगम परिणाम
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	अध्याय–1 यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	• यूरोपीय देशों में राष्ट्र राज्य के निर्माण में फ्रांसीसी क्रांति के प्रभाव का परीक्षण कर सकेंगे। • उस समय के विविध सामाजिक आंदोलनों की प्रकृति का अन्वेषण कर सकेंगे। (1830–1848) • उन तरीकों का परीक्षण कीजिए जिनके द्वारा राष्ट्रवाद का विचार उभरा और जिसने राष्ट्र राज्यों का गठन किया। •उन परिस्थितियों को समझ सकेंगे जब बाल्कन राज्यों के उपनिवेशिवकरण को लेकर शुरू हुआ युद्ध प्रथम विश्व युद्ध में बदल गया।	• फ्रांसीसी क्रांति से संबंधित वीडियो / पाठ्य सामग्री पढ़ें / संबंधित उपन्यास पढ़ें, उसके बाद कक्षा में चर्चा और प्रस्तुति करवाए। • विविध सामाजिक समूहों का पता लगाने और इसे एक समूह के रूप में प्रस्तुत करने के लिए सहयोगात्मक अधिगम का उपयोग करते हुए विश्व कैफे / पैनल चर्चा / वाद–विवाद आदि का आयोजन करवाए। • एक राष्ट्र बनाने के लिए राज्यों के एकीकरण के विचार को समझाने के लिए ग्राफिक आयोजकों का उपयोग करवाए। (इटली / जर्मनी / यूनान) • प्रथम विश्व युद्ध से पहले के मानचित्र का एवं प्रथम विश्व युद्ध के बाद के यूरोप के मानचित्र का का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए कक्षा आधारित चर्चा एवं उसका प्रस्तुतिकरण।	• राष्ट्र राज्य के निर्माण में फ्रांसीसी क्रांति का यूरोपीय देशों पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करते है। • उस समय के विविध सामाजिक आंदोलनों की प्रकृति की वैधता की गणना और मूल्यांकन करते है। • राष्ट्रवाद का विचार किस प्रकार उभरा और यूरोप और अन्य जगहों पर राष्ट्र राज्यों के गठन के कारणों का विश्लेषण करके निष्कर्ष निकालते है। • साम्राज्यवादी विचारधारा ने किस प्रकार प्रथम विश्व युद्ध की नींव रखी इसक कथन को उदाहरण सहित समझा सकते है।
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	अध्याय–2 भारत में राष्ट्रवाद	• राष्ट्रवादी आंदोलनों के विभिन्न पहलुओं का अन्वेषण कर सकेंगे जो सामूहिक जुड़ाव के अर्थ में उभरे। • प्रथम विश्व युद्ध के भारत के दो प्रमुख आदोलनों (खिलाफत एवं असहयोग) को उद्वेलित करने वाले प्रभावों की चर्चा कर सकेंगे।	• राष्ट्रवादी आंदोलनों के विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट करने के लिए जो सामूहिक जुड़ाव की भावना की शुरुआत करते हैं, को अनुक्रम चार्ट / कहानी बोर्ड / कहानी सुनाना आदि माध्यमों को उपयोग करना। • छात्र पाठ्य सामग्री और अन्य संदर्भों की जांच करेंगे	• सामूहिक जुड़ाव के अर्थ में उभरे राष्ट्रवादी आंदोलनों के विभिन्न पहलुओं का वर्णन करते है। • प्रथम विश्व युद्ध के उन पहलुओं को सारांशित करते है, जिन्होंने भारत में दो प्रमुख आंदोलनों (खिलाफत और असहयोग आंदोलन) को उद्वेलित किया।

		• असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलन में महात्मा गांधी और अन्य नेताओं की भूमिका का आकलन/मूल्यांकन कर सकेंगे।	और पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। • गांधीजी और अन्य नेताओं से जुड़ी विभिन्न घटनाओं को दर्शाने वाली फिल्मों/वीडियो क्लिपिंग से प्रासंगिक 'स्निपेट' दिखाना और एक पैनल चर्चा या सेमिनार के माध्यम से निष्कर्ष प्रस्तुत करना।	• दो आंदोलनों में गांधीजी और अन्य नेताओं द्वारा लागू की गई रणनीतियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करते है।
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	**अध्याय–4 औद्योगीकरण का युग** **नोट– इस अध्याय का मूल्यांकन केवल आवधिक परीक्षा मेंकिया जाएगा।**	• औद्योगीकरण से पहले और बाद के आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक विशेषताओं की जांच कर सकेंगे। • I भारत के विशेष संदर्भ में उपनिवेशों में औद्योगीकरण के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे।	• औद्योगीकरण से पहले और बाद के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक विशेषताओं से संबंधित बाद की विशेषताओं पर प्रासंगिक वीडियो/वृत्तचित्र/फिल्म क्लिपिंग दिखाइए। • भारत के विशेष संदर्भ में उपनिवेशों में औद्योगीकरण के प्रभाव की चर्चा कीजिए।	• औद्योगीकरण से पहले और बाद के आर्थिक, राजनीतिक एवं सामाजिक विशेषताओं का अध्ययन करते हैं। • भारत के विशेष संदर्भ में औद्योगीकरण ने उपनिवेशों को किस प्रकार प्रभावित किया। कथन का विश्लेषण करके निष्कर्ष निकालते है।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	**अध्याय–1 सत्ता की साझेदारी**	• सत्ता की साझेदारी की मांग एवं आवश्यकताओं की जाँच एवं समझ विकसित कर सकेंगे। • सत्ता की साझेदारी की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए बेल्जियम और श्रीलंका जैसे देशों के सामने आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण कर सकेंगे।	• सत्ता की साझेदारी से संबंधित अखबारों के लेख/कतरन पढ़ें और निष्कर्षों को फ्लो चार्ट के रूप में प्रस्तुत करें। • सत्ता की साझेदारी के विभिन्न रूपों पर चर्चा करें। • सत्ता की साझेदारी की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने में बेल्जियम और श्रीलंका के सामने आने वाली चुनौतियों पर कक्षा में चर्चा। • भारत, श्रीलंका और बेल्जियम द्वारा उपयोग की जाने वाली शक्ति साझा करने की तकनीकों पर सुकरात चर्चा विधि को उपयोग में लाए। • पाठ्य संसाधन और अन्य संसाधनों को पढ़िए और	• लोकतंत्र में सत्ता के बंटवारे की आवश्यकता का महत्त्व बताते है। • सत्ता में साझेदारी सुनिश्चित करने में बेल्जियम और श्रीलंका के सामने आने वाली चुनौतियों का निष्कर्ष निकालते हुए उसका विश्लेषण करते है। • श्रीलंका और बेल्जियम के साथ भारत की शक्ति साझेदारी का तुलना करते है। • किसी देश की एकता और स्थिरता को बनाए रखने में सत्ता की साझेदारी के विभिन्न उद्देश्यों को सारांशित करते है।

			ग्राफिक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से निष्कर्ष प्रस्तुत कीजिए।	
लोकतांत्रिक राजनीति–2	**अध्याय–2 संघवाद**	• भारत में संघवाद के सिद्धांत और व्यवहार की समझ विकसित कर सकेंगे। • उन नीतियों और राजनीति का विश्लेषण कर सकेंगे जिन्होंने व्यवहार में संघवाद को मजबूत किया है।	• केंद्र और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों के वितरण पर समूह चर्चा और विभिन्न माध्यमों से परिणामों को प्रस्तुत करना। • व्यवहार में संघवाद को मजबूत करने वाली नीतियों और राजनीति पर वाद – विवाद को मांइड मैप के माध्यम से प्रस्तुत करना।	• भारत में संघवाद किस प्रकार उपयोग में लाया जा रहा है इसका विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष निकालते है। • उन नीतियों और राजनीति का विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष प्रस्तुत करते है जिन्होंने व्यवहार में संघवाद को मजबूत किया है।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	**अध्याय – 3 जाति, धर्म और लैंगिक मसले**	• भारत में लोकतंत्र को अपनाने प्रयोग में लिंग, धर्म और जाति की भूमिका और अंतर का परीक्षण कर सकेंगे। • उपरोक्त वर्णित अंतर लोकतंत्र के लिए स्वस्थ है अथवा नहीं का विश्लेषण कर सकेंगे।	• लोकतंत्र में लिंग, धर्म और जाति का अंतर स्वस्थ है अथवा नहीं का प्रहसन/नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से मूल्यांकन करना। • ग्राफिक विधि का उपयोग करते हुए पता लगाना कि लिंग, धर्म और जाति में अंतर के आधार पर अलग–अलग अभिव्यक्तियाँ लोकतंत्र में स्वस्थ अथवा खराब कैसे हैं इसका निष्कर्ष निकालते हुए विश्लेषण करना।	• लोकतंत्र में लिंग, धर्म और जाति का अंतर स्वस्थ है अथवा नहीं का मूल्यांकन कीजिए। • लिंग, धर्म एवं जाति से संबंधित विभेदों पर आधारित विभिन्न विचारधाराएँ लोकतंत्र के लिए स्वस्थ है अथवा नुकसानदायक इसका विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष निकालते है।
भूगोल : समकालीन भारत 2	**अध्याय–1 संसाधन एवं विकास**	• भारत में संसाधनों के नियोजन के महत्व, अन्योन्याश्रितता, उपयोग विकास की आवश्यकता आदि का परीक्षण कर सकेंगे। • संसाधनों के विकास की तार्किकता को सारांशित कर सकेंगे। • भारत में भूमि के कम उपयोग के कारणों को समझ सकेंगे। • सभी प्रकार के संसाधनों के संरक्षण की	• संसाधनों की प्रकृति किस प्रकार अन्योन्याश्रित है तथा उन्हें भारत में विकसित करने की आवश्यकता पर मंथन करना तथा वेन आरेख के रूप में प्रस्तुत करना। • भूमि उपयोग के पैटर्न और प्रवृत्तियों की पहचान करने के लिए मानचित्रों, चार्टों और अन्य उपकरणों का उपयोग करना। • 'क्या विकास संरक्षण के लिए एक विरोधी के रूप में काम कर रहा है' विषय पर	• संसाधन किस प्रकार अन्योन्याश्रित हैं, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और भारत में उन्हें विकसित करने की आवश्यकता को उचित ठहराते हुए नियोजन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते है। • संसाधनों के विकास की आवश्यकता का मूल्यांकन करते है। • भारत में भूमि के उपयोग से संबंधित आंकडों और जानकारी

		आवश्यकता का विश्लेषण कर सकेंगे। • भारत में वर्तमान आवश्यकताओं के आलोक में संसाधन नियोजन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका का परीक्षण कीजिए।	केस स्टडी और वाद–विवाद को और पीपीटी के रूप में एक रिपोर्ट पेश करना।	का विश्लेषण और मूल्यांकन करते है। • भारत में उपलब्ध सभी संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता और अप्रयुक्त संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए उपचारात्मक उपायों एवं सुझावों का वर्णन करते है।
भूगोल : समकालीन भारत 2	**अध्याय – 2** **वन एवं वन्य जीव संसाधन**	• भारत के सतत पोषणीय विकास के लिए वनों और वन्य जीवों के संरक्षण के महत्व और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में उनकी अन्योन्याश्रितता का परीक्षण कर सकेंगे। • विकास और निम्नीकरण में चराई, लकड़ी काटने आदि की भूमिका को विश्लेषित कर सकेंगे। • सतत् पोषणीय विकास के तहत भारत में जैव विविधता के संरक्षण के कारणों की परख कर सकेंगे।	• वनों की कटाई और संरक्षण की आवश्यकता पर अखबारों के लेख पढ़ें/वीडियो देखें और विश्व कैफे गतिविधि के माध्यम से अपने निष्कर्ष को प्रस्तुत कीजिए। • चराई, लकड़ी काटने एवं अन्य विकासत्मक कार्यों ने वनों के अस्तित्व पर अनुकूल अथवा प्रतिकूल प्रभाव डाला है' की चर्चा कीजिए। • सतत् विकास के तहत भारत में जैव विविधता के संरक्षण के कारणों को सारांशित करने और प्रस्तुत करने के लिए कला एकीकरण आदि गतिविधियों का उपयोग कीजिए।	• वनों और वन्यजीवों का संरक्षण किस प्रकार में परस्पर निर्भर है और भारत की पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखता है का मूल्यांकन करता है। •कैसे कुछ विकासात्मक कार्यों, चराई, लकड़ी की कटाई ने वनों के अस्तित्व पर अनुकूल अथवा प्रतिकूल प्रभाव डाला है का विश्लेषणात्मक अध्ययन करके निष्कर्ष निकालते है। • सतत् विकास के तहत भारत में जैव विविधता के संरक्षण के कारणों को सारांश के रूप में प्रस्तुत करता है।
भूगोल : समकालीन भारत 2	**अध्याय–3** **जल संसाधन**	• भारत में जल संसाधनों के संरक्षण के कारणों का परीक्षण कर सकेंगे। •बहुउद्देशीय परियोजनाएं भारत में जल की आवश्यकताओं को पूरा कर पा रही है इस विषय का विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष निकाल सकेंगे।	• पानी की कमी पर चर्चा करने के लिए विचार–मंथन (ब्रेनस्ट्रोर्मिंग) सत्र का आयोजन और ग्राफिक माध्यमों से उनका प्रस्तुतीकरण। • भारत की पानी की आवश्यकता का समर्थन करने में बहुउद्देशीय परियोजनाओं की भूमिका का सारांश तैयार करना एवं उनका पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण।	• बताते हैं कि कि भारत में जल संसाधनों का संरक्षण क्यों आवश्यक है? • भारत में जल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बहुउद्देशीय परियोजनाओं की भूमिकाओं को सारांशित करते हैं।

आर्थिक विकास की समझ	**अध्याय–1 विकास**	• राष्ट्र को आकार देने में आवश्यक विकास के लक्ष्यों की रूपरेखा के महत्व का परीक्षण कर सकेंगे। • प्रति व्यक्ति आय के महत्व का परीक्षण एवं प्रतिव्यक्ति आय के आधार पर विभिन्न देशों की तुलना एवं उसके अन्तरों का परीक्षण कर सकेंगे। • प्रति व्यक्ति आय के संबंध में मानव विकास सूचकांक का विश्लेषण कर सकेंगे। • सतत विकास की आवश्यकताओं का परीक्षण कर सकेंगे।	• राष्ट्र निर्माण में मदद करने वाले विभिन्न विकासात्मक लक्ष्यों की गणना करने के लिए हॉट सीट गतिविधि का उपयोग करना। • प्रति व्यक्ति आय राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को कैसे दर्शाती है, इसका विश्लेषण करने और निष्कर्ष निकालने के लिए केस स्टडी। मानव विकास सूचकांक और प्रति व्यक्ति आय के बीच T संबंध का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए ग्राफिक प्रस्तुतीकरण। • विकास की जरूरत पर कई दृष्टिकोणों का विश्लेषण करने के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।	• राष्ट्र निर्माण में मदद करने वाले विकासात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं का विश्लेषण कर निष्कर्ष निकालते है। • प्रति व्यक्ति आय देश की आर्थिक स्थिति को कैसे दर्शाती है का विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष निकालते है। प्रति व्यक्ति आय विभिन्न देशों में अलग – अलग क्यों होती है इसका तुलनात्मक अध्ययन करते है। विकास के बहुआयमी परिप्रेक्ष्यों की आवश्यकता का विश्लेषण करते है।
आर्थिक विकास की समझ	**अध्याय–2 भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक**	• विभिन्न क्षेत्रकों में आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन एवं वे भारतीय अर्थव्यवस्था के समग्र विकास और संवृद्धि में कैसे योगदान करती है का विश्लेषण एवं मूल्यांकन कर सकेंगे। • विभिन्न क्षेत्रकों में समस्याओं की पहचान और क्षेत्रकों की उनकी समझ के आधार पर समाधान प्रस्तावित कर सकेंगे। • प्रमुख रोजगार उत्पन्न करने वाले क्षेत्रकों का विश्लेषण और सभी को रोजगार प्रदान करने के प्रयास में आने वाली चुनौतियों का परीक्षण कर सकेंगे।	• विभिन्न आँकडों का सकल घरेलू उत्पाद तथा निवल घरेलू उत्पाद में उनके योगदान का विश्लेषण करना। • विभिन्न क्षेत्रकों में उनकी समझ के आधार पर चिन्हित समस्याओं के समाधान को प्रस्तावित करने के लिए अनुसंधान आधारित रणनीति का उपयोग करना। • संगठित और असंगठित क्षेत्रक रोज़गार कैसे प्रदान कर रहे हैं और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को सारांशित करने के लिए समाचार पत्रों के लेखों को पढें एवं समूह में चर्चा कीजिए।	• विभिन्न क्षेत्रकों में, आर्थिक गतिविधियों में तथा भारतीय अर्थव्यवस्था के समग्र विकास में उनके योगदान का विश्लेषण करके निष्कर्ष निकालते है। • विभिन्न क्षेत्रकों में उनकी समझ के आधार पर चिन्हित समस्याओं के समाधान प्रस्तावित करते है। • संगठित और असंगठित क्षेत्रकों में रोज़गार प्रदान करने और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को सारांशित करते है। • वर्तमान में प्रति व्यक्ति आय को प्रभावित करने में असंगठित क्षेत्रकों की भूमिका तथा सकल घरेलू

		• वर्तमान में प्रति व्यक्ति आय को प्रभावित करने में असंगठित क्षेत्रकों की भूमिका का परीक्षण और सकल घरेलू उत्पाद में असंगठित क्षेत्रकों के योगदान को कम करने के लिए सुझावात्मक कदम प्रस्तावित कर सकेंगे। • सार्वजनिक और निजी क्षेत्रकों की आवश्यक भूमिका, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप की वर्तमान प्रवृत्तियों और पहल की प्रभावकारिता का परीक्षण कर सकेंगे।		उत्पाद में अधिक उत्पादन के लिए असंगठित क्षेत्रक के योगदान को कम करने के लिए सुझावात्मक कदमों को प्रस्तावित करते है। • सार्वजनिक और निजी क्षेत्रकों की आवश्यक भूमिका, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप की वर्तमान प्रवृत्तियों और पहल की प्रभावकारिता का अध्ययन करके निष्कर्ष निकालते है।

नोट : उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम 15 सितंबर 2023 तक पूर्ण कीजिए। अर्धवार्षिक परीक्षा हेतु पाठयक्रम की पुनरावृत्ति।
अर्धवार्षिक परीक्षा

पाठ्य पुस्तक	अध्याय संख्या एवं नाम	विशिष्ट अधिगम उद्देश्य	सुझावात्मक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया	विशिष्ट दक्षताओं के साथ अधिगम परिणाम
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	**अध्याय–3** **भूमंडलीकृत विश्व का बनना** **उपविषय 1** **आधुनिक विश्व से पहले** **(उपविषय 1 से 1. 3 तक का मूल्यांकन वार्षिक परीक्षा में किया जाएगा।)**	• आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी क्षेत्रों के संदर्भ में 19वीं सदी में दुनिया में किस तरह गहरा बदलाव आया एवं इसके विभिन्न पहलुओं का अन्वेषण कर सकेंगे। • अर्थव्यवस्था और उपनिवेशित लोगों की आजीविका पर उपनिवेशवाद के विनाशकारी प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे।	• विश्व कैफे की गतिविधि का उपयोग करके एक पूछताछ आधारित कक्षा आरंभ करें और प्रत्येक क्षेत्र की कैफे वार्तालाप रणनीति के माध्यम से अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करना। (अर्थव्यवस्था, राजनीतिक, सांस्कृतिक और तकनीकी पहलुओं के संदर्भ में दुनिया को किस प्रकार बदल दिया।) • अंतर्संबंधों को चित्रित करने के लिए कला एकीकरण और गैलरी वॉक। • फोटोग्राफिक डिस्प्ले/नई पेपर कटिंग की जांच करना जो उपनिवेशवाद के विनाशकारी प्रभाव को उपनिवेशित लोगों की आजीविका पर दर्शाते हैं और न्यूजलेटर/कार्टून स्ट्रिप्स/इंटर डिसिप्लिनरी प्रोजेक्ट के रूप में अपनी समझ प्रस्तुत करना।	•अर्थव्यवस्था, राजनीतिक, सांस्कृतिक और तकनीकी क्षेत्रों के संदर्भ में दुनिया को बदलने वाले परिवर्तनों को सारांशित करते है। • पूर्व आधुनिक से लेकर आज तक के वैश्विक अंतर्संबंधों को चित्रित करते है। • उपनिवेशित लोगों की आजीविका पर उपनिवेशवाद के विनाशकारी प्रभाव की व्याख्या करते है।
	अंतविषयी परियोजना हेतु **उपविषय 2** **उन्नीसवीं शताब्दी 1815–1914** **उपविषय 3** **महायुद्धों के बीच अर्थव्यवस्था** **उपविषय 4** **विश्वयुद्ध के बाद विश्व अर्थव्यवस्था का बनना**	अंतर अनुशासनात्मक परियोजनाः • भूगोल के अध्याय 7 के साथ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं, और • अर्थशास्त्र का अध्याय 4 वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था • अनुबंध IV देखें।	अनुलग्नक IV देखें।	• अनुलग्नक IV देखें

भारत एवं समकालीन विश्व – 2	**पाठ–5 : मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया**	• मुद्रण की विकास यात्रा का पूर्वी एशिया में इसकी शुरुआत से लेकर यूरोप और भारत में इसके विस्तार तक का विश्लेषण कर सकेंगे। • प्रौद्योगिकी के प्रसार के प्रभावों और मुद्रण के आने से सामाजिक जीवन और संस्कृति में बदलाव का विश्लेषण कर सकेंगे।	• मुद्रण के विकास को दर्शाने के लिए फ्लो चार्ट बनाइए। • मुद्रण क्रांति से लोगों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन कीजिए। • हस्तलिखित पुस्तकों और मुद्रित पुस्तकों के लाभों की तुलना करने के लिए वेन आरेख का उपयोग कीजिए। • मुद्रण संस्कृति के साथ – साथ महत्वपूर्ण घटनाओं और मुद्दों पर चित्रों, कार्टूनों, प्रचार साहित्य (प्रोपेगंडा) के अंशों से विश्लेषण करके निष्कर्ष निकालना।	• पूर्वी एशिया में मुद्रण की शुरुआत से लेकर यूरोप और भारत में इसके विस्तार की व्याख्या करते है। • मुद्रण क्रांति केवल पुस्तक निर्माण का एक तरीका नहीं था बल्कि लोगों के विचारों में गहन परिवर्तन था। पर टिप्पणी करता है। • हस्तलिखित पाण्डुलिपियों बनाम मुद्रण तकनीक की पुरानी परंपराओं का तुलनात्मक अध्ययन करता है। • मुद्रण क्रांति की भूमिका और विश्व और भारत की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति पर इसके प्रभाव को संक्षेप में प्रस्तुत करता है।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	**अध्याय – 4 राजनीतिक दल**	• लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका, उद्देश्य और संख्या का परीक्षण कर सकेंगे। • भारतीय लोकतंत्र को अनुकूल और प्रतिकूल बनाने में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों द्वारा किए गए योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।	• लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका और उद्देश्य को दर्शाते हुए रोल – प्ले करवाइए। • भारतीय लोकतंत्र को सफल बनाने में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए योगदान के संदर्भ में समाचार पत्रों को पढना एवं वीड़ियो को देखना।	• लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका, उद्देश्य और संख्या को बताता है। • भारतीय लोकतंत्र के सफल कामकाज में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों द्वारा किए गए योगदान का समीक्षा करता है।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	**अध्याय–5 लोकतंत्र के परिणाम**	• सरकार की गुणवत्ता, आर्थिक भलाई, समानता, सामाजिक अंतर, संघर्ष, स्वतंत्रता और गरिमा के मद्देनजर लोकतंत्र के अपेक्षित और वास्तविक परिणामों की समझ विकसित कर सकेंगे।	• लोकतंत्र की सफलता सरकार की गुणवत्ता, आर्थिक भलाई, समानता, सामाजिक अंतर, संघर्ष, स्वतंत्रता और गरिमा पर किस प्रकार निर्भर करती है, का ग्राफिक द्वारा प्रस्तुतीकरण।	• लोकतंत्र की सफलता सरकार की गुणवत्ता, आर्थिक भलाई, समानता, सामाजिक अंतर, संघर्ष, स्वतंत्रता और गरिमा पर निर्भर करती है, का विश्लेषण करता है।

		• सरकार की गुणवत्ता, आर्थिक कल्याण, असमानता, सामाजिक मतभेद और संघर्ष तथा अंत में स्वतंत्रता और गरिमा के संदर्भ में लोकतंत्र के वास्तविक परिणामों में अपेक्षित परिणामों के विभिन्न मामलों में अंतर के पीछे के कारणों का विश्लेषण कर सकेंगे।	• कभी–कभी अपेक्षित परिणाम और वास्तविक परिणाम के बीच का अंतर लोकतंत्र की सफलता को प्रभावित करता है का विश्लेषण करने हेतु केस स्टडी कीजिए।	• कभी–कभी अपेक्षित परिणाम और वास्तविक परिणाम के बीच का अंतर लोकतंत्र की सफलता को किस प्रकार प्रभावित करता है, का विश्लेषण करके निष्कर्ष निकालता है।
भूगोल : समकालीन भारत 2	**अध्याय–4 कृषि**	• हमारे समाज एवं अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका की परख कर सकेंगे। • भारतीय कृषक समुदाय के समाने आने वाली चुनौतियों की परख कर सकेंगे। • कृषि के विभिन्न आयामों जैसेः कृषि उत्पादन, कृषि के प्रकार, आधुनिक कृषि की प्रक्रिया एवं कृषि के पर्यावरण पर प्रभावों को समझ सकेंगे।	• किसानों के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों जैसेः कम उत्पादन, सिंचाई के साधनों का अभाव, कृषि के आधुनिक साधनों का अभाव, उत्पादन के बाद कृषि उत्पादों के नुकसान पर चर्चा एवं उनका पीपीटी द्वारा प्रदर्शन कीजिए। • भारतीय कृषि समुदायों के सम्मुख समस्याओं से संबंधित समाचार पत्र एवं पैनल चर्चा का आयोजन कीजिए। • ग्राफिक आयोजकों के द्वारा परंपरागत एवं आधुनिक कृषि पद्वितयों का वर्णन कीजिए।	• भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का वर्णन करता है। • भारतीय कृषक समुदायों के द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं का विश्लेषण करके निष्कर्ष निकालता है। • कृषि के विभिन्न आयामों जैसेः कृषि उत्पादन, कृषि के प्रकार, आधुनिक कृषि की प्रक्रिया एवं कृषि के पर्यावरण पर प्रभावों को सारांशित कर सकता है।

भूगोल : समकालीन भारत 2	**अध्याय–5 खनिज तथा उर्जा संसाधन**	• विभिन्न प्रकार के खनिजों के निर्माण, स्थान, उनका उपयोग, मानव जीवन और उनका अर्थव्यवस्था के लिए महत्व को समझा सकेंगे। • देश के आर्थिक विकास में खनिजों और प्राकृतिक संसाधनों का महत्व,उनका वितरण और सतत उपयोग के संदर्भ में विश्लेषण कर सकेंगे। • ऊर्जा के पारंपरिक और गैर–पारंपरिक स्रोतों के बीच अंतर स्पष्ट कर सकेंगे।	विभिन्न प्रकार के खनिज कैसे बनते हैं, वे कहाँ पाए जाते हैं, उनके उपयोग, मानव जीवन और अर्थव्यवस्था के लिए महत्व का विश्लेषण करने और निष्कर्ष निकालने के लिए पाठ्य संसाधन, माइंड मैप, पाई चार्ट आदि का उपयोग। • वास्तविक दुनिया की स्थितियों में संसाधन वितरण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के लिए गतिविधियाँ प्रस्तावित कीजिए। • ऊर्जा के पारंपरिक और गैर–पारंपरिक स्रोतों के बीच अंतर करने के लिए फ्लो चार्ट का उपयोग कीजिए।	• विभिन्न प्रकार के खनिज कैसे बनते हैं, वे कहाँ पाए जाते हैं, उनका उपयोग, मानव जीवन और अर्थव्यवस्था के लिए उनके महत्व का विश्लेषण करते है। • दुनिया की वास्तविक परिस्थितियों में संसाधन वितरण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के लिए गतिविधियाँ प्रस्तावित करता है। • ऊर्जा के पारंपरिक और गैर–पारंपरिक स्रोतों के बीच अंतर स्थापित करता है।
भूगोल : समकालीन भारत 2	**अध्याय–6 विनिर्माण उद्योग**	• विभिन्न प्रकार के विनिर्माण उद्योगों के बीच उनके कच्चे माल, प्रक्रियाओं और अंतिम उत्पादों के आधार पर अंतर कर सकेंगे और भारतीय अर्थव्यवस्था में उनके महत्व का विश्लेषण कर सकेंगे। • पर्यावरण पर विनिर्माण उद्योगों के प्रभाव का परीक्षण एंव विनिर्माण क्षेत्र के सतत विकास की रणनीति का बना सकेंगे। • कच्चे माल की उपलब्धता और उद्योगों के स्थान के बीच संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।	• विभिन्न प्रकार के विनिर्माण उद्योगों के बीच उनके कच्चे माल, प्रक्रियाओं और अंतिम उत्पादों के आधार पर अंतर करने के लिए फ्लो चार्ट का उपयोग कीजिए। • पर्यावरण पर विनिर्माण उद्योगों के प्रभाव की गणना करने और विनिर्माण क्षेत्र के सतत विकास के लिए रणनीति विकसित करने के लिए पाठ्य सूचना (विभिन्न मानचित्रों/ग्राफों के माध्यम से दिए गए डेटा) का उपयोग कीजिए।	• विभिन्न प्रकार के विनिर्माण उद्योगों के बीच उनके कच्चे माल, प्रक्रियाओं और अंतिम उत्पादों के आधार पर अंतर करता है, और भारतीय अर्थव्यवस्था में उनके महत्व का विश्लेषण करता है। • पर्यावरण पर विनिर्माण उद्योगों के प्रभाव की गणना करता है, और विनिर्माण क्षेत्र के सतत विकास के लिए रणनीति विकसित करता है। • कच्चे माल की उपलब्धता और उद्योग की

			• कच्चे माल की उपलब्धता और उद्योग के स्थान के बीच संबंध का अनुमान लगाने के लिए केस स्टडी का उपयोग कीजिए।	अवस्थिति के बीच संबंधों का निष्कर्ष निकालते है।
भूगोल : समकालीन भारत 2	**अध्याय–7 राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ केवल मानचित्र कार्य हेतु**	• **अंतर–विषयक प्रोजेक्ट:** इतिहास अध्याय 3 भूमंडलीकृत विश्व का बनना अर्थशास्त्र 4 वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	• अनुलग्नक IV देखें	• अनुलग्नक IV देखें।
आर्थिक विकास की समझ	**अध्याय–3 मुद्रा और साख**	• प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय तक वस्तुओं और सेवाओं के सभी लेन–देन में मुद्रा के विनिमय के माध्यम के रूप में परीक्षण कर सकेंगे। • साख के विभिन्न स्रोतों का विश्लेषण कर सकेंगे। • ग्रामीण लोगों/महिलाओं की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका की पहचान कर सकेंगे।	• प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय तक वस्तुओं और सेवाओं के सभी लेन–देन में मुद्रा एक माध्यम के रूप में किस प्रकार की भूमिका निभाती है का समूह में चर्चा करके उसका विश्लेषण करना एवं निष्कर्ष निकालना। • ऋण के विभिन्न स्रोतों का विश्लेषण और अनुमान लगाने के लिए केस आधारित अध्ययन करना। • ग्रामीण लोगों/महिलाओं की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में स्वयं सहायता समूहों के महत्व और भूमिका को सारांशित करवाना जिसके लिए अतिथि वक्ता के रूप में (बैंक प्रबंधक/स्वंय सहायता समूह आदि) के लिए किसी सदस्य को आमंत्रित करना।	• प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय तक वस्तुओं और सेवाओं के सभी लेन–देन में मुद्रा का विनिमय के माध्यम के रूप में भूमिका का विश्लेषण करता है। • ऋण के विभिन्न स्रोतों का विश्लेषण कर निष्कर्ष निकालते है। • ग्रामीण लोगों/महिलाओं की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका और महत्व को सारांशित करते है।

आर्थिक विकास की समझ	**अध्याय–4** **वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था** **नोटः निम्नलिखित उपविषयों का ही मूल्यांकन बोर्ड परीक्षा में किया जाएगा।** **उपविषय** **वैश्वीकरण क्या है?** **वैश्वीकरण के प्रमुख घटक**	• वैश्वीकरण की अवधारणा और इसकी परिभाषा, विकास, और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभावों का परीक्षण कर सकेंगे। • वैश्वीकरण के प्रमुख घटकों जैसे संचार और परिवहन प्रौद्योगिकी में प्रगति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विकास, और विश्व व्यापार संगठन जैसे संस्थानों की भूमिका का अन्वेषण कर सकेंगे। • G 20 में भारत की भूमिका एवं महत्व और भारत वर्तमान भूमिका के आलोक में इसके महत्व का परीक्षण कर सकेंगे।	• वैश्वीकरण से संबंधित वीडियों को दिखाना तथा एक समूह चर्चा के माध्यम से वैश्वीकरण को पभिाषित करना, उसके विकास और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर उसके प्रभावों का विश्लेषण करना। • वैश्वीकरण के प्रमुख घटको और वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में उनकी भूमिका का विश्लेषण और निष्कर्ष निकालने के लिए पाठ्य और अन्य संसाधनों का अध्ययन करना।	• वैश्वीकरण की अवधारणा और इसकी परिभाषा, विकास, और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभावों की व्याख्या करता है। • वैश्वीकरण के प्रमुख घटकों जैसे संचार और परिवहन प्रौद्योगिकी में प्रगति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विकास, और विश्व व्यापार संगठन जैसे संस्थानों की भूमिका का मूल्यांकन करता है। • विभिन्न देशों में आर्थिक परिदृश्य G 20 की भूमिका के महत्व और भारत की वर्तमान भूमिका के आलोक में इसके महत्व की व्याख्या करता है
	उपविषय **विभिन्न देशों में उत्पादन** **भारत में चीनी खिलौनें एवं विश्व व्यापार संगठन** **न्यायसंगत वैश्वीकरण के लिए संघर्ष**	**अंतर–विषयक प्रोजेक्टः** इतिहास अध्याय 3 भूमंडलीकृत विश्व का बनाना भूगोल अध्याय 7 राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	• अनुलग्नक IV देखें	अनुलग्नक IV देखें

	5 उपभोक्ता अधिकार अथवा सामाजिक मुद्दे अथवा सतत् एवं पोषणीय विकास प्रोजेक्ट कार्य हेतू	प्रोजेक्ट कार्य अनुलग्नक III देखें	अनुलग्नक III देखें	अनुलग्नक III देखें

नोट : उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम 15 दिसम्बर 2023 तक पूर्ण कीजिए। प्री–बोर्ड परीक्षा हेतु पुनरावृत्ति। वार्षिक परीक्षा हेतु पाठयक्रम की पुनरावृत्ति। वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।
वार्षिक परीक्षा

कक्षा X

मानचित्र प्रश्न से संबंधित विषय–वस्तु

विषय	अध्याय का नाम	मानचित्र कार्य
इतिहास	भारत में राष्ट्रवाद	**1. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अधिवेशन** • कलकत्ता (सितम्बर 1920) • नागपुर (दिसम्बर 1920) • मद्रास (1927) **2. सत्याग्रह आंदोलन** • खेड़ा • चम्पारण • अहमदाबाद मिल आंदोलन **3. जलियाँवाला बाग** **4. डांडी यात्रा**
भूगोल	संसाधन और विकास	**केवल पहचानना** मृदा के मुख्य प्रकार
भूगोल	जल संसाधन	**(केवल ढूंढना और चिन्हित करना)** • सलाल • भाखड़ा नांगल • टिहरी • राणा प्रताप सागर • सरदार सरोवर • हीराकुंड • नागार्जुन सागर • तुंगभद्रा
भूगोल	कृषि	**(केवल पहचानना)** • चावल और गेहूँ के मुख्य उत्पादक क्षेत्र। • गन्ना, चाय, कॉफी, रबड़, कपास और पटसन के मुख्य उत्पादक राज्य।
भूगोल	खनिज और ऊर्जा संसाधन	**खनिज (केवल पहचानना)** **लौह अयस्क खाने** • मयूरभंज • दुर्ग • बेलाडिला • बेलारी • कुद्रेमुख **कोयले की खानें** • रानीगंज • बोकारो • तलचर • नेवेली। **तेल क्षेत्र** • डिगबोई

		• नहरकटिया • मुंबई हाई बेसीन • कलोल • अंकलेश्वर **ऊर्जा केन्द्र (ढूँढना और चिन्हित करना)** **तापीय केन्द्र** • नामरूप • सिंगरौली • रामागुडम **आणविक केन्द्र** • नरोरा • काकरापारा • तारापुर • कलपक्कम
भूगोल	**विनिर्माण उद्योग**	**(ढूँढना और चिन्हित करना)** **सूती कपड़ा वस्त्र उद्योग** मुंबई, इंदौर, सूरत, कोयम्बटूर, कानपुर **लौह एवं स्टील प्लांट** दुर्गापुर, बोकारों, जमशेदपुर, भिलाई, विजयनगर, सलेम **सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क** : नोएडा, गाँधीनगर, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, बंगलौर, चेन्नई, तिरूवनंतपुरम।
भूगोल	**राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ**	**मुख्य पतन** • कांडला • मुंबई • मार्मागाओं • न्यू मंगलौर • कोच्चि • तूतीकोरिन • चेन्नई • विशाखापट्नम् • पाराद्वीप • हल्दिया **अंतर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन** • अमृतसर (राजा सांसी – श्री गुरू रामदास जी) • दिल्ली (इंदिरा गाँधी) • मुंबई (छत्रपति शिवाजी) • चेन्नई (मीनाम्बकम) • कोलकाता (नेताजी सुभाषचंद्र बोस) • हैदराबाद (राजीव गाँधी)

(नोटः ढूँढने और चिन्हित करने वाले स्थान, पहचान करने के लिए भी पूछा जा सकता है।)

Weightage to Type of Questions

Type of Questions	Marks (80)	Percentage
1 Mark MCQs (20x1) (Inclusive Of Assertion, Reason, Differentiation &Stem)	**20**	**25%**
2 Marks Narrative Questions (4x2) (Knowledge, Understanding, Application, Analysis, Evaluation ,Synthesis & Create)	**8**	**10%**
3 Marks Narrative Questions (5x3) (Knowledge, Understanding, Application, Analysis, Evaluation, Synthesis & Create)	**15**	**18.75%**
4 MARKS Case Study Questions (3x4) (Knowledge, Understanding, Application, Analysis, Evaluation n, Synthesis & Create)	**12**	**15%**
5 Mark Narrative Questions (4x5) (Knowledge, Understanding, Application, Analysis, Evaluation, Synthesis & Create)	**20**	**25%**
Map Pointing	**5**	**6.25%**

Weightage to Competency Levels

Sr. No.	Competencies	Marks (80)	Percentage
1	Remembering and Understanding: Exhibiting memory of previously learned material by recalling facts, terms, basic concepts, and answers; Demonstrating understanding of facts and ideas by organizing, translating, interpreting, giving descriptions and stating main ideas.	**24**	**30%**
2	Applying: Solving problems to new situations by applying acquired knowledge, facts, techniques and rules in a different way.	**11**	**13.25%**
3	Formulating, Analysing, Evaluating and Creating: Examining and breaking information into parts by identifying motives or causes; Making inferences and finding evidence to support generalizations; Presenting and defending opinions by making judgments about information, validity of ideas, or quality of work basedon a set of criteria; Compiling information together in a different way by combining elements in a new pattern or proposing alternative solutions.	**40**	**50%**
4	Map Skill	**5**	**6.25%**
	Total	**80**	**100**

अनुलग्नक III

परियोजना कार्य

कक्षा X 2023–2024

प्रत्येक विद्यार्थी को निम्नलिखित में से किसी **एक विषय पर परियोजना कार्य** करना होगा। **उपभोक्ता आंदोलन** **अथवा** **सामाजिक मुद्दे** **अथवा** **सतत् पोषणीय विकास** **उद्देश्यः** उपभोक्ता जागरूकता पर परियोजना कार्य देने का मुख्य उद्देश्य है– • उपभोक्ता अधिकारों के बारे में उनमें जागरूकता उत्पन्न करना। • उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना। • आपदा न्यूनीकरण योजनाओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना। • समुदायों को जागरूक एवं तैयार करना। • परियोजना कार्य को छात्रों के जीवन कौशल को बढ़ाने में भी मदद करनी चाहिए। (जहाँ भी संभव हो कला के साथ एकीकृत करें)	विकसित की जाने वाली दक्षताएँ छात्रों को चाहिए; सहयोग विश्लेषणात्मक कौशल का प्रयोग करें आपदाओं के दौरान स्थितियों का मूल्यांकन करें। सूचना का संश्लेषण करें रचनात्मक समाधान खोजें समाधान के क्रम में रणनीतियाँ सही संचार कौशल का प्रयोग करें

दिशानिर्देशः

अपेक्षित उद्देश्यों को पूरी तरह से प्राप्त करने के लिए, प्राचार्यों/शिक्षकों को विभिन्न स्थानीय प्राधिकरणों और संगठनों जैसे आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, राहत, पुनर्वास और राज्यों के आपदा प्रबंधन विभागों, जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय / उपायुक्त, अग्निशमन सेवा, पुलिस, नागरिक सुरक्षा आदि से समर्थन जुटाना आवश्यक होगा। उस क्षेत्र में जहां स्कूल स्थित हैं।

1. **परियोजना कार्य से संबंधित विभिन्न आयामों में अंक विभाजन निम्नलिखित प्रकार से हैंः–**

क्र. संख्या	आयाम	अंक
1.	विषय की सटीकता, मौलिकता तथा विश्लेषण	2
2.	प्रस्तुतीकरण एवं रचनात्मकता	2
3.	मौखिक परीक्षा	1

2. विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर परियोजना कार्य करें तथा उसके उपरांत् विभिन्न अंतः क्रियात्मक सत्रों (जैसे प्रदर्शनी, पैनल चर्चा आदि) के माध्यम से कक्षा के साथ साझा करें।

3. इस गतिविधि के अंतर्गत मूल्यांकन से संबंधित सभी कागजात संबंधित विद्यालय के द्वारा सूक्ष्मतापूर्वक संभाल कर रखा जाना चाहिए।
4. निम्नलिखित को प्रदर्शित करते हुए परियोजना कार्य की संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिएः

- व्यक्तिगत अथवा सामूहिक अन्तर्क्रिया का उद्देश्य
- क्रियाकलाप की तारीख
- इस प्रक्रिया में उत्पन्न नये विचार
- मौखिक अभिव्यक्ति में पूछे गए प्रश्न

5. सभी शिक्षक और विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखें कि परियोजना कार्य अथवा मॉडल बनाने में पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का इस्तेमाल हो तथा उसका लागत मूल्य कम से कम हो।
6. परियोजना रिपोर्ट विद्यार्थियों द्वारा हस्त लिखित अथवा डिजिटल हो सकती है।
7. परियोजना कार्य के द्वारा शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और मनो प्रेरणा कौशल को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें शिक्षक मूल्यांकन के साथ – साथ स्व – मूल्यांकन एवं सहपाठी मूल्यांकन तथा परियोजना – आधारित और पूछताछ – आधारित शिक्षा, कला एकीकृत गतिविधियाँ, प्रयोग, मॉडल, क्विज, रोल– प्ले, समूह कार्य, पोर्टफोलियो आदि में विद्यार्थियों की प्रगति शामिल होगी। (एनइपी 2020)
8. परियोजना कार्य में पावर पाइंट प्रजेंटेशन, प्रदर्शनी, प्रहसन, एल्बम,फाइल/गीत एवं नृत्य अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रम/ कहानी कहना/वाद–विवाद/पैनल संवाद, पेपर प्रस्तुतीकरण आदि जो भी दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए सहज हो उसे शामिल करें।
9. परियोजना से संबंधित रिकॉर्ड परीक्षा परिणाम की तिथि से कम से कम तीन महीने तक रखा जाएगा ताकि बोर्ड इसकी जाँच कर सके। हालांकि न्यायिक विचाराधीन अथवा सूचना के अधिकार अधिनियम से जुड़े हुए मामलों में यह रिकॉर्ड तीन महीनों से भी अधिक समय तक संभाल कर रखा जा सकता है।

अंतविषयी परियोजना कार्य कक्षा 10

10 कालांश				**अधिकतम अंक: 5**	
विषय एवं अध्याय सं.	**अध्याय का नाम**	**विशिष्ट अधिगम उद्देश्य**	**सुझावात्मक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया**	**विशिष्ट दक्षताओं के साथ अधिगम परिणाम**	**पूरा करने के लिए समय अनुसूची**
भारत एवं समकालीन विश्व –I: अध्याय 3	भूमंडलीकृत विश्व का बनना	• वैश्वीकरण के इतिहास का पता लगाइए और प्रक्रिया के भीतर के बदलाव को इंगित कर सकेंगे। • स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर वैश्वीकरण के निहितार्थ का विश्लेषण कर सकेंगे। • भारत में आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए परिवहन के महत्व की जांच कर सकेंगे। • राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर सड़क परिवहन एवं रेल परिवहन के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे। • देश में सड़क और रेल परिवहन के सामने आने वाली चुनौतियों का मूल्यांकन कर सकेंगे। • अलग-अलग सामाजिक समूहों द्वारा वैश्वीकरण के अनुभवों की चर्चा कर सकेंगे। • वैश्वीकरण की प्रक्रिया में परिवहन और संचार के साधनों की भूमिका का संबंध स्थापित कर सकेंगे। • बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विकास को सुगम बनाने वाले कारकों की जांच कर सकेंगे।	अंतर्विषयी परियोजना को पूरा करने में छात्रों की सुविधा के लिए शिक्षक निम्नलिखित शिक्षाशास्त्र का उपयोग कर सकते हैं: 1) रचनावाद 2) पूछताछ आधारित शिक्षा 3) सहकारी शिक्षा 4) लर्निंग स्टेशन 5) सहयोगी शिक्षा अधिगम 6) वीडियो/ दृश्य/ वृत्तचित्र/ फिल्म क्लिपिंग्स 7) हिंडोला गतिविधि 8) कला समेकित अधिगम 9) समूह चर्चाएँ **बहुआयामी आकलन** सर्वेक्षण/ साक्षात्कार/ शोध कार्य/ अवलोकन/ कहानी आधारित प्रस्तुति/ कला समेकित/ प्रश्नोत्तरी/ वाद-विवाद/ रोल प्ले/ मौखिक परीक्षा/ समूह चर्चा/ दृश्य अभिव्यक्ति/ इंटरैक्टिव बुलेटिन बोर्ड/ गैलरी वॉक/ एग्जिट कार्ड/ अवधारणा मानचित्र/ सहपाठी आकलन / कला समेकन/ स्व- आकलन / प्रौद्योगिकी का समावेशन आदि।	• स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए वैश्वीकरण के निहितार्थ का विश्लेषण करते हैं। • विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा वैश्वीकरण को अलग-अलग तरीके से अनुभव पर चर्चा करते हैं। • अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा के रूप में परिवहन के कार्यों की गणना करते हैं। • सांस्कृतिक/ राजनीतिक/ सामाजिक/ आर्थिक पहलुओं के संदर्भ में वैश्वीकरण के विभिन्न आयामों को संघटित करते हैं।	• अध्यापक/ अध्यापिका के मार्गदर्शन में विद्यालय में अप्रैल और सितंबर के महीने के बीच अंतविषयी परियोजना पूर्ण करना है। (परियोजना कार्य को गृह कार्य के रूप में देने से पूरी तरह से बचना है।)
विश्याई समकालीन भारत-I: अध्याय 7	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ				
आर्थिक विकास की समझ: अध्याय 4	वैश्वीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था				

दिशानिर्देश:

• दो या अधिक विषयों को एक गतिविधि में अधिक सुसंगत और एकीकृतरूप से जोड़ना शामिल है। आम तौर पर मान्यता प्राप्त विषय- अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान हैं, एक नमूना योजना संलग्न की गई है। कृपया नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करे

• कार्यप्रणाली (आईडीपी के बारे में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए एक उदहारणार्थ अंतर्विषयी परियोजना लिंक प्रदान किया गया है।

• विषय: भूमंडलीकृत विश्व का बनना, वैश्वीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं

https://docs.google.com/document/d/1dIwwFeaSrExJHMtkzcEuoq3ehh-7FtHM/edit

अथवा

निर्देश:

उद्देश्यों एवं परिणामों का चयन करते समय तार्किकता तथा विशिष्ट उद्देश्यों को स्थानीय संदर्भों में ध्यान में रखने की आवश्यकता है।

परियोजना की रुपरेखा: नीचे एक 10 दिनों की सुझावात्मक योजना दी गई है जिसका पालन किया जा सकता है या आप नीचे दिए गए प्रारूप के आधार पर स्वयं बना सकते हैं।

प्रक्रिया:

- छात्रों के बीच प्रारंभिक सहयोग द्वारा उनकी भूमिकाओं, एकीकरण के क्षेत्रों, जांच और विश्लेषण के क्षेत्र की व्यवस्था करना

टीम लीडर: मुख्य सहयोगी
टीम के सदस्य:
नोट: शिक्षक विद्यार्थियों की क्षमताओं के अनुसार भूमिकाएँ आवंटित करें।

- दिए गए पाठ्यक्रम के आधार पर नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार 10-दिन की योजना जमा करना।
- मूल्यांकन योजना: आयामों का शिक्षक द्वारा स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना है।
- नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार रिपोर्ट, पोस्टर और वीडियो पावती: स्वविचारों का प्रस्तुतीकरण और आभार की अभिव्यक्ति

कक्षा X: 10 दिवसीय अंतर्विषयी परियोजना का सुझावात्मक योजना

दिन 1: अंतर्विषयी परियोजना का परिचय और संदर्भ की स्थापना:
शिक्षकों द्वारा दी जाने वाली परियोजना और उसके उद्देश्यों का संक्षिप्त विवरण।
इतिहास विषय के अध्यापक/ अध्यापिकाओं द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के ऐतिहासिक संदर्भ और उसके परिणाम को पूछताछ विधि के माध्यम से प्रस्तुत करना।
विद्यार्थियों को वैश्विक अर्थव्यवस्था पर द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभावों पर चर्चा करने के लिए समूह बनाएं। (मूल्यांकन के विभिन्न आयामों के लिए शिक्षक अनुलग्नक VIदेखें)

दिन 2: महामंदी
दिए गए लिंक के माध्यम से वीड़ियों देखें–

https://www.youtube.com/watch?v=62DxELjuRec	
https://www.youtube.com/watch?v=gqx2E5qIV9s	

महामंदी के कारणों एवं परिणामों और महामंदी के बड़े पैमाने पर उत्पादन और खपत की भूमिका पर चर्चा कीजिए। वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महामंदी के परिणामों पर एक समूह पीपीटी/रिपोर्ट प्रस्तुत कीजिए।

तीसरा दिन: भारत और महामंदी

विद्यार्थी महामंदी के दौरान भारत की आर्थिक स्थिति से संबंधित सामग्री एकत्र करें और इसे भारत और अमेरिका की वर्तमान आर्थिक स्थिति से संबंधित करें। विद्यार्थी पुस्तकालय में जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

एक समूह गतिविधि के रूप में उन्हें अपने निष्कर्षों का एक कोलाज प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। (मूल्यांकन के विभिन्न आयामों के लिए शिक्षक अनुलग्नक VI देखें)

चौथा दिन: विश्व अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण और देशों के बीच उत्पादन को जोड़ना

- छात्रों को समूहों में बैठाने के लिए शिक्षक जिग शॉ विधि का उपयोग करें तथा प्रत्येक समूह को अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण के लिए की गई प्रक्रिया और कैसे देशों में उत्पादन को आपस में जोड़ा जाए इसके बारे में जानकारी देते हुए हैंडआउट का एक हिस्सा दें। विभिन्न समूहों में जाकर जानकारी को संकलित करने के लिए समूह बनाएं।
- उन्हें युद्ध के बाद के पुनर्निर्माण के प्रयासों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव पर चर्चा करवाएँ।

विश्व अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण में ब्रेटन वुड्स संस्थानों की भूमिका का अध्ययन करें और कला एकीकृत परियोजना के माध्यम से उनकी शिक्षाओं को प्रस्तुत करें। (मूल्यांकन के विभिन्न आयामों के लिए शिक्षक अनुलग्नक VIदेखें)

पाँचवा दिन : प्रारंभिक युद्ध के बाद के वर्ष: राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के निर्माण में सड़क मार्ग, रेलवे, जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका

- अध्यापक/ अध्यापिका नीचे दिए गए हैंडआउट 1 को समूहों में वितरित करता है और उन्हें हैंड आउट के अंत में पूछे गए पाँचवाप्रश्नों के उत्तर खोजने और कैफे वार्तालाप मोड का उपयोग करके समूहों में प्रस्तुत करने के लिए कहता है। आयामों के लिए अनुबंध III देखें।
- युद्ध के बाद के शुरुआती वर्षों में विश्व के सामने आने वाली चुनौतियों का अध्ययन कीजिए।
- राष्ट्रों के विऔपनिवेशीकरण और स्वतंत्रता की दिशा में किए गए प्रयासों पर चर्चा कीजिए।

छठा दिन: युद्ध के बाद का समझौता और ब्रेटन वुड्स संस्थान

- छात्रों को https://en.wikipedia.org/wiki/Bretton_Woods_system अथवा में दी गई सामग्री को पढ़ने को कहें और युद्ध के बाद की अर्थव्यवस्था में ब्रेटन वुड्स संस्थानों के प्रभाव पर बहस करें। (मूल्यांकन के विभिन्न आयामों के लिए शिक्षक अनुलग्नक VI देखें)

सातवा दिन: विऔपनिवेशीकरण और स्वतंत्रता - विश्व व्यापार संगठन की भूमिका:

छात्र नीचे दिए गए हैंडआउट 2 को पढ़ेंगे और नए राष्ट्रों के निर्माण में विश्व व्यापार संगठन द्वारा प्रदान किए गए समर्थन का रोल प्ले प्रस्तुत करेंगे। (मूल्यांकन के विभिन्न आयामों के लिए शिक्षक अनुलग्नक VI देखें)

- विश्व व्यापार संगठन का परिचय

- निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देने में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका का अध्ययन करें

आठ्वा दिन: ब्रेटन वुड्स का अंत और वैश्वीकरण की शुरुआत:
छात्र लिंक में दी गई सामग्री को पढ़ेंगे

https://www.imf.org/external/about/histend.htm#:~:text=End%20of%20Bretton%20Woods%20system,-The%20system%20dissolved&text=In%20August%201971%2C%20U.S.%20President,the%20breakdown%20of%20the%20system.
अथवा

- एक वित्तीय विशेषज्ञ/ अर्थशास्त्री/ व्याख्याता/ प्रोफेसर के साथ एक साक्षात्कार आयोजित करें। एकत्र की गई जानकारी के आधार पर, छात्र निष्कर्षों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकते हैं।
- ब्रेटन वुड्स प्रणाली के अंत के कारणों पर चर्चा करें।

नौवा दिन: भारत में वैश्वीकरण का प्रभाव और जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका

https://www.jagranjosh.com/general-knowledge/new-economic-policy-of-1991-objectives-features-and-impacts-1448348633-1
अथवा

- छात्र उपरोक्त लिंक में दी गई सामग्री को पढ़ेंगे, और एक रिपोर्ट तैयार करेंगे कि अगर यह स्टैंड नहीं लिया गया होता तो भारत का क्या होता और इसे रेडियो टॉक शो के रूप में प्रस्तुत कर सकते है। वे वैश्वीकरण में भारत की उपलब्धि में जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका को जोड़ेंगे।
- भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण के प्रभाव का अध्ययन करें।
- वैश्वीकरण की प्रक्रिया में भारत के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करें।

दिन 10. अंतिम प्रस्तुति
- अंतर्विषयी परियोजना को पूरा करें और मुख्य बातों को सारांशित करें।

दसवीं कक्षा की अंतर्विषयी परियोजना के

दिन 4 के लिए हैंडआउट-1

हैंडआउट शीर्षक: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व और भारत में जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका

परिचय: द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद विश्व को महत्वपूर्ण आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों का सामना करना पड़ा। युद्ध के बाद के विश्व और भारत को आकार देने में जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका को समझना महत्वपूर्ण है। इस हैंडआउट में हम वैश्विक अर्थव्यवस्था पर जलमार्गों और वायुमार्गों के प्रभाव और इसने भारत के विकास में किस प्रकार मदद की, इस पर चर्चा करेंगे।

जलमार्ग: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के युग में, जलमार्गों ने माल और लोगों की आवाजाही में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बंदरगाहों और जलमार्गों के सुधार ने माल के अधिक कुशलतापूर्वक परिवहन की अनुमति दी और आर्थिक विकास को गति देने में मदद की। नौवहन प्रौद्योगिकियों के विकास के साथ-साथ वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती मांग ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को विस्तार दिया। इसने विश्व अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद की और भारत सहित कई देशों में उद्योगों के विकास की अनुमति दी।
भारत में, जलमार्गों और बंदरगाहों के विकास ने देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने में मदद की। देश की लंबी तटरेखा और कई नदियों ने इसे माल के परिवहन के लिए एक आदर्श स्थान बना दिया। भारत में बंदरगाहों और जलमार्गों के विकास ने देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में माल की आवाजाही की अनुमति दी, जिससे आर्थिक विकास और विकास को बढ़ावा मिला।

वायुमार्ग: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, हवाई परिवहन के विकास ने विश्व की अर्थव्यवस्था में क्रांति ला दी। हवाई यात्रा के विस्तार ने माल और लोगों के तेज और अधिक कुशल परिवहन की अनुमति दी, जिसने विश्व अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद की।
भारत में, वायुमार्ग के विकास ने देश के विभिन्न भागों को जोड़ने में मदद की और लोगों और सामानों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में आसानी हुई। इससे भारत में आर्थिक विकास और विकास को गति देने में मदद मिली।
भारत में हवाई परिवहन की वृद्धि ने भी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विस्तार की अनुमति दी। भारतीय व्यवसाय अब आसानी से विदेशी बाजारों तक पहुंच सकते थे, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिली।

निष्कर्ष:
द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की विश्व और भारत में जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका इन देशों के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण थी। इन परिवहन साधनों के विकास ने आर्थिक विकास को गति देने में मदद की और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विस्तार की अनुमति दी। विश्व और भारत पर जलमार्गों और वायुमार्गों के प्रभाव को समझना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुए आर्थिक और सामाजिक परिवर्तनों को समझने में महत्वपूर्ण है।

प्रश्न:
1. आयात और निर्यात में प्रमुख बंदरगाहों की भूमिका का उल्लेख कीजिए।
2. दक्कन एयरवेज के उद्भव ने घरेलू वायुमार्गों की संपूर्ण कार्यक्षमता को बदल दिया। कथन की पुष्टि कीजिए।
3. जलमार्ग और वायुमार्ग भारत के आर्थिक विकास में योगदान करते हैं। अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

दसवीं कक्षा की अंतर्विषयी परियोजना के

दिन 7 के लिए हैंडआउट 2

हैंडआउट शीर्षक: उपनिवेशवाद के बाद नए राष्ट्रों के निर्माण में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की भूमिका

परिचय: उपनिवेशवाद की समाप्ति के बाद, कई देशों को महत्वपूर्ण आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा क्योंकि उन्होंने खुद को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिए काम किया। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने इन देशों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं के पुनर्निर्माण और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस हैंडआउट में, हम उपनिवेशीकरण के बाद नए राष्ट्रों के निर्माण में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका पर चर्चा करेंगे।

विश्व व्यापार संगठन क्या है?

विश्व व्यापार संगठन एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसे 1995 में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने और देशों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करने के लिए स्थापित किया गया था।

विश्व व्यापार संगठन देशों को बातचीत करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों को लागू करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, और यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि व्यापार निष्पक्ष और अनुमानित तरीके से आयोजित किया जाता है। संगठन देशों को उनकी व्यापार नीतियों में सुधार करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करने के लिए तकनीकी सहायता और सलाह भी प्रदान करता है।

विश्व व्यापार संगठन ने उपनिवेशीकरण के बाद नए राष्ट्रों की मदद कैसे की है?

औपनिवेशिक शासन समाप्त होने के बाद कई देशों को महत्वपूर्ण आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा क्योंकि उन्होंने खुद को स्वतंत्र राष्ट्रों के रूप में स्थापित करने के लिए काम किया। विश्व व्यापार संगठन ने इन देशों को व्यापार वार्ताओं के लिए एक मंच प्रदान करके और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों को लागू करने में मदद करके वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद की।

विश्व व्यापार संगठन ने इन देशों को अपनी व्यापार नीतियों में सुधार करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करने के लिए तकनीकी सहायता और सलाह भी प्रदान की। इससे इन देशों में आर्थिक वृद्धि और विकास को गति देने में मदद मिली, और उन्हें वैश्विक अर्थव्यवस्था में और अधिक एकीकृत होने की अनुमति मिली।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेकर, उपनिवेशवाद के बाद के नए राष्ट्र अपने बाजारों का विस्तार करने, विदेशी निवेश को आकर्षित करने और अपने आर्थिक प्रदर्शन में सुधार करने में सक्षम थे। विश्व व्यापार संगठन ने इन देशों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण करने और खुद को स्थिर, स्वतंत्र राष्ट्रों के रूप में स्थापित करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निष्कर्ष:

विश्व व्यापार संगठन ने इन देशों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करके उपनिवेशवाद के बाद नए राष्ट्रों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठन की व्यापार वार्ता, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों के प्रवर्तन और तकनीकी सहायता ने इन देशों में आर्थिक विकास और विकास को गति देने में मदद की। उपनिवेशवाद के बाद नए राष्ट्रों के निर्माण में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका को समझना औपनिवेशिक शासन की समाप्ति के बाद हुए आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तनों को समझने में महत्वपूर्ण है।

अनुलग्नक-V

छात्रों द्वारा प्रस्तुति प्रारूप - कक्षा IX और X

विद्यार्थी का नाम:	
समूह का नाम:	
कक्षा एवं अनुभाग:	**जमा करने की तिथि:**
आईडीपी का विषय:	
परियोजना का शीर्षक:	
उद्देश्य:	
मूल्यांकन के विभिन्न प्रकार: **सर्वेक्षण/साक्षात्कार/अनुसंधान कार्य/अवलोकन/कहानी आधारित प्रस्तुति/कला एकीकरण/प्रश्नोत्तरी/वाद-विवाद/रोल प्ले/वाइवा,/समूह चर्चा,/दृश्य अभिव्यक्ति/इंटरैक्टिव बुलेटिन बोर्ड/गैलरी वॉक/एग्जिट कार्ड/अवधारणा मानचित्र/पिएर मूल्यांकन/कला एकीकरण/स्व-मूल्यांकन/प्रौद्योगिकी का एकीकरण आदि।**	
साक्ष्य: तस्वीरें, साक्षात्कार के अंश, अवलोकन, वीडियो, अनुसंधान संदर्भ आदि।	
समग्र प्रस्तुतिः पीपीटी का लिंक, साझा दस्तावेज, स्कूल की सुविधा के अनुसार डिजिटल/हस्तलिखित हो सकते हैं।	
आभार	
संदर्भ (वेबसाइट, किताबें, समाचार पत्र आदि)	
प्रतिदर्शन/रिफ्लेक्सन	

<u>अनुलग्नक VI</u>

रुब्रिक/ आयाम	**निर्धारित अंक**
अनुसंधान कार्य	**1**
सहयोग और संचार	**1**
प्रस्तुति और सामग्री प्रासंगिकता	**1**
दक्षत। **• रचनात्मकता** **• विश्लेषणात्मक कौशल** **• मूल्यांकन** **• संश्लेषण करना**	**2**
कुल अंक	**5**

नोट: स्कूल कई उप-रूब्रिक दे सकते हैं और अंकों का कुल मान 5 अंक कर सकते हैं।

उदाहरण: सहयोग:- टीमवर्क/ भाषा प्रवाह/ टीम में योगदान/ लचीलापन आदि

अनुसंधान कार्य: - परख / पढ़ना और समझना/ संकलन करना आदि

संश्लेषण: - डेटा संग्रह/ डेटा मिलान आदि।